विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला

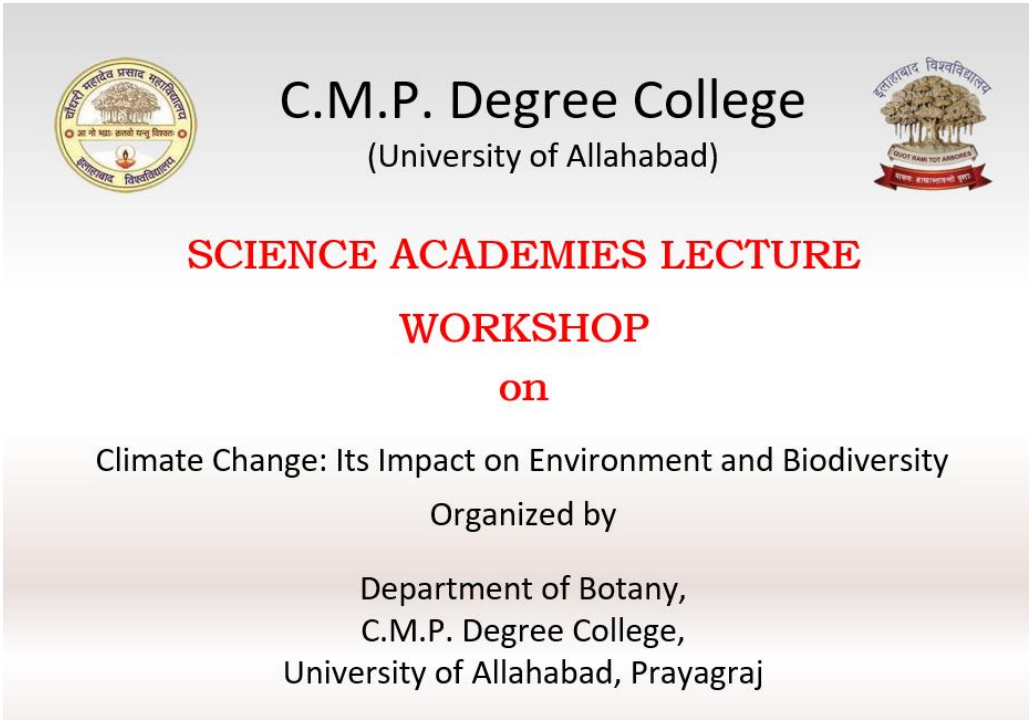

विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ
सी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 16 व 17 नवंबर 2022 को आयोजित किया जा रहा है । यह कार्यशाला जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण और जैव विविधता पर प्रभाव विषय पर आयोजित है। कार्यशाला के प्रथम दिन इसकी संचालिका व समन्वयक डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने अपने शुरुआती उद्बोधन में कार्यशाला में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन डॉक्टर आर आर राव, प्रोफेसर आर यस वर्मा व प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में देश भर से लगभग 170 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया व कार्यशाला से संबंधित संक्षिप्त चर्चा की गयी। इस अवसर पर प्राचार्य ने बताया कि यह हमारे कॉलेज के लिए बड़ा ही हर्ष का विषय है की देश की तीन विज्ञान अकादमी द्वारा यह कार्यशाला हमारे कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रेसिडेंट चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संक्षिप्त में विषय पर चर्चा की और बताया कि यह विषय मानव अस्तित्व से जुड़ा है। उन्होंने बताया की हाल ही में मौसम के बदलाव को महसूस करते हुए हम लोगों ने देखा कि जो बारिश अगस्त और सितंबर में होनी चाहिए थी वह इस वर्ष अक्टूबर में हुई इस तरह के सभी बदलाव क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहे हैं। एम.एन.आई.टी के निदेशक प्रोफेसर आर एस वर्मा द्वारा कार्यशाला के विषय एवं उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए विषय के नए आयामों एवं तकनीकी से परिचय कराया गया। उन्होंने बताया की कार्यशाला का विषय इस समय सबसे ज्यादा चर्चा होने वाला विषय है। जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण ओजोन डिप्लीशन , प्रदूषण व पेड़ों का कटाव है। जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ हमें यह भी जानना जरूरी है कि यह जलवायु परिवर्तन क्यों हो रहा है और इनके सतत विकास कैसे किए जा सकते हैं । इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि व प्रवक्ता डॉक्टर आरआर राव , मानद वैज्ञानिक आई एन एस ए, बेंगलुरु ने देश के तीन विज्ञान अकादमी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा किया व बतलाया की इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों पर विज्ञान की छवि डालना है। साइंस एजुकेशन पैनल, समर रिसर्च फैलोशिप, रेजोनेंस जर्नल, लेक्चर वर्कशॉप फॉर

कॉलेजेस आदि का लाभ छात्रों, कॉलेज के अध्यापकों, वैज्ञानिकों को लेने की आवश्यकता है। उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमिता पांडे समन्वयक वनस्पति विज्ञान विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा किया गया।इस अवसर पर सभी अतिथि गणों द्वारा सार पुस्तिका का अनावरण भी किया गया।तकनीकी सत्र के प्रथम चरण में सीमैप बेंगलुरु के भूतपूर्व वैज्ञानिक व मानद वैज्ञानिक डॉक्टर आर आर राव द्वारा हमारी विविधता हमारी विरासत पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ राव ने अपने व्याख्यान में सिनकोना प्लांट से मलेरिया की दवा व रबर प्लांट के खोज की चर्चा विस्तार से की और बतलाया की एक पौधा पूरे मानव सभ्यता को बदल सकता है। उन्होंने बतलाया कि इस तरह की खोज के लिए पारंपरिक ज्ञान का होना बहुत जरूरी है। अपने व्याख्यान में विस्तृत चर्चा करते हुए बायोडायवर्सिटी आफ इंडिया ,बायोडायवर्सिटी आप फैमिली, बायोडायवर्सिटी आफ जीनस, बायोडायवर्सिटी ऑफिस स्पीशीज, हॉटस्पॉट ऑफ इंडिया, इंपॉर्टेंस ऑफ बायोडायवर्सिटी,मेगा बायोडायवर्सिटी आदि पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के द्वितीय चरण में डॉक्टर यूसी श्रीवास्तव एफ.एन.ए.सी, इलाहाबाद ने जलवायु परिवर्तन के कारण पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के तीसरे चरण में प्रोफेसर शशि पांडे राय बी.एफ. एस, वनस्पति विज्ञान विभाग, बीएचयू ने पर्यावरण की स्थिति की संभावनाएं औषधीय पौधों में माध्यमिक उपापचय और इसके पारिस्थितिक परिणाम पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रोफेसर डी के चौहान, प्रोफेसर गिरिजेश कुमार वनस्पति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव आदि भी उपस्थित रहे।

विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला

सी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दूसरे दिन का शुभारंभ प्रोफेसर आर आर राव मानद वैज्ञानिक बेंगलुरु के व्याख्यान से प्रस्तुत हुआ। डॉ राव का व्याख्यान संकटग्रस्त पादपीय आवासों और संकटग्रस्त पौधों का संरक्षण: भारत की चिंताएँ और प्रतिक्रियाएँ पर था। अपने इस व्याख्यान में डॉ राव ने बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाला प्रत्येक पौधा एक विशेष गुण रखता है यदि इन पौधों को बचाया नहीं गया तो यह हमारे देश के लिए आने वाले समय में चिंता का विषय होगा। डॉ राव ने बतलाया की जैव विविधता के छरण का मुख्य कारण देश में बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण, सड़कों का बनना, तमाम मानव जनित क्रियाएं जैसे औषधि पौधों ,सजावटी पौधों आदि का अधिक उपयोग होना मुख्य कारण है इसके अलावा बाहरी खरपतवार का आना, जंगल में आग का लगना ,स्थानांतरण खेती, खनन क्रियाएं आदि भी जैवविविधता को कम करते हैं । जैव विविधता के क्षरण को रोकने के लिए आई यू सी एन एक रेड लिस्ट जारी किया है जिससे पता चलता है कि पूरे विश्व में और अपने देश में भी कौन-कौन सी प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। हमारा देश इसके प्रतिक्रिया में पादप संरक्षण के लिए बायोडायवर्सिटी बिल नेशनल पार्क ,वाइल्ड लाइफ सेंचुरी ,टाइगर रिजर्व ,रामसर साइट जैसे जगहों पर पौधों का संरक्षण किया जा रहा है। प्रथम सत्र का दूसरा व्याख्यान डॉक्टर यू सी लवानिया भूतपूर्व वैज्ञानिक सी मैप लखनऊ द्वारा गुणसूत्र विविधता और जिनोमिक क्षेत्र पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया की गुणसूत्र और उनके ऑर्गनाइजेशन पर काम करना बहुत ही कठिन है पौधों और जंतुओं के गुणसूत्रों पर प्रकाश डालते हुए बताया की पौधों के गुणसूत्र के काम करना जंतुओं के गुणसूत्र की तुलना में कठिन होता है क्योंकि पौधों की कोशिकाएं कोशिका भित्ति से घिरी होती हैं अपने व्याख्यान में रिपिटेटिव डीएनए, पैकिंग ऑफ़ डीएनए, क्रोमेटिक कंडेंसेशन, ओरियंटेशन एंड ऑर्गेनाइजेशन आफ क्रोमोजोम ,सोमेटिक वेरिएशन ,पॉलिप्लॉयडी आदि पर चर्चा की। प्रथम सत्र का तीसरा व्याख्यान भूतपूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग प्रोफेसर डी के चौहान ने जैव विविधता संकट पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बतलाया पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी प्रकार के जीव जंतु बैक्टीरिया आदि की विविधताएं बहुत आवश्यक हैं क्योंकि यह एक दूसरे से संबंधित होते हैं ।प्रोफेसर चौहान ने जेनेटिक डायवर्सिटी, स्पीशीज डायवर्सिटी, इकोलॉजिकल डायवर्सिटी आदि को बताते हुए जैवविविधता या बायोडायवर्सिटी की उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला और

कहां कि पृथ्वी पर पाए जाने जाने वाला हर एक पौधा औषधि गुण रखता है और हम सबको इसका संरक्षण करना चाहिए अपने व्याख्यान में बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट, इंडियन मेगा डायवर्सिटी, बायोडायवर्सिटी लॉस, बायोडायवर्सिटी क्राइसिस आदि पर प्रकाश डाला। सत्र का तीसरा व्याख्यान प्रोफ़ेसर मधुलिका अग्रवाल वनस्पति विज्ञान विभाग बीएचयू ने जलवायु परिवर्तन और उसके परिणाम पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बतलाया की जलवायु परिवर्तन के कारण दिन का लंबा होना उसके तापमान में वृद्धि होना ,रात के तापमान में वृद्धि होना, मौसम में बदलाव आदि जलवायु परिवर्तन के मुख्य प्रभाव हैं परिवर्तन का एक बड़ा मुख्य कारण ग्रीन हाउस इफेक्ट भी है देश में बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, फैक्ट्रियों का निर्माण, जंगलों का काटा जाना आदि के वजह से ग्रीनहाउस गैसेस का उत्सर्जन लगातार होता जा रहा है जिस के दुष्प्रभाव से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि ,सागर के तापमान में वृद्धि ,साइक्लोन का आना, बाढ़ ,भू चरण, सूखा और इसके कई दुष्प्रभाव कृषि ,वाइल्ड लाइफ आदि पर पढ़ रहा है इसकी रोकथाम के लिए पूरे विश्व में इस तरह के गैसों के निकास पर रोक लगाना होगा। सत्र का आखिरी व्याख्यान मानद सदस्य आईएएस प्रोफेसर संजय कुमार सामंत्री प्रेजेडसिडेंट इंडियन क्लाइमेट चेंज कांग्रेश द्वारा दिया गया और अपना व्याख्यान जल संकट और जल प्रबंधन पर दिया और उन्होंने बतलाया कि किन-किन तरीकों से जल संरक्षण किया जा सकता है।सत्र के दूसरे सत्यापन सत्र में डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव 2 दिन की कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय देते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस सत्र में प्रोफेसर लवानिया ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला उत्तर भारत में संचालित नहीं किया गया है और इस तरह की आयोजन से छात्रों को इसका पूरा लाभ मिलता है। डॉक्टर राव ने भी इस सत्र में सबको बधाई दी और बताया कि इस के कार्यशाला को भविष्य मैं और बेहतर बनाने हेतु आप अपनी सुझाव हमें दे सकते हैं। सत्र के दौरान छात्रों ने भी अपना फीडबैक दिया और बतलाया कि हम सब ने इस वर्कशॉप से काफी कुछ सीखा। प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरें ने अपने उद्बोधन में बताया की क्लाइमेट चेंज में हम सब की भूमिका है और हमको इस तरह की भूमिका निभाना चाहिए जिससे कि सतत विकास हो सके। प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सबको धन्यवाद देते हुए बतलाया की ग्लोबल वार्मिंग मुख्य कारण है क्लाइमेट चेंज का जिसे हमें रोकना चाहिए। सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। आज के पूरे सत्र का संचालन विपुल मिश्रा ने सुचारू ढंग से संचालित किया।इस अवसर पर प्रोफेसर गिरिजेश कुमार, डॉक्टर प्रतीक श्रीवास्तव वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

उत्तर भारत का पहला विज्ञान अकादमी द्वारा संचालित दो दिवसीय कार्यशाला

लिया। राष्ट्रीय लोक दल की प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह विक्रम सैनी ने रालोद के मजबूत आयेगी।

'विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला'

प्रयागराज ससी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 16 व 17 नवंबर 2022 को

आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यशाला 'जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण और जैव विविधता पर प्रभाव' विषय पर आयोजित है। आज कार्यशाला के प्रथम दिन इसकी संचालिका व समन्वयक डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने अपने शुरुआती उद्बोधन में कार्यशाला में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन डॉक्टर आर आर राव, प्रोफेसर आर यस वर्मा व प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में देश भर से लगभग 170 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया व कार्यशाला से संबंधित संक्षिप्त चर्चा की गयी। इस अवसर पर प्राचार्य ने बताया कि यह हमारे कॉलेज के लिए बड़ा ही हर्ष का विषय है की देश की तीन विज्ञान अकादमी द्वारा यह कार्यशाला हमारे कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रेसिडेंट चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संक्षिप्त में विषय पर चर्चा की और बताया कि यह विषय मानव अस्तित्व से जुड़ा है। उन्होंने बताया की हाल ही में मौसम के बदलाव को महसूस करते हुए हम लोगों ने देखा कि जो बारिश अगस्त और सितंबर में होनी चाहिए थी वह इस वर्ष अक्टूबर में हुई इस तरह के सभी बदलाव क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहे हैं। एम.एन.आई.टी के निदेशक प्रोफेसर आर एस वर्मा द्वारा कार्यशाला के विषय एवं उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए विषय के नए आयामों एवं तकनीकी से परिचय कराया गया। उन्होंने बताया की कार्यशाला का विषय इस समय सबसे ज्यादा चर्चा होने वाला विषय है। जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण ओजोन डिप्लीशन, प्रदूषण व पेड़ों का कटाव है। जलवायु परिवर्तन के साथ–साथ हमें यह भी जानना जरूरी है कि यह जलवायु परिवर्तन क्यों हो रहा है और इनके सतत विकास कैसे किए जा सकते हैं। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि व प्रवक्ता डॉक्टर आरआर राव, मानद वैज्ञानिक आई एन एस ए, बेंगलुरु ने देश के तीन विज्ञान अकादमी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा किया व बतलाया की इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों पर विज्ञान की छवि डालना है। साइंस एजुकेशन पैनल, समर रिसर्च फैलोशिप, रेजोनेंस जर्नल, लेक्चर वर्कशॉप फॉर कॉलेजेस आदि का लाभ छात्रों, कॉलेज के अध्यापकों, वैज्ञानिकों को लेने की आवश्यकता है। उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमिता पांडे समन्वयक वनस्पति विज्ञान विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा किया गया इस अवसर पर सभी अतिथि गणों द्वारा सार पुस्तिका का अनावरण भी किया गया। तकनीकी सत्र के प्रथम चरण में सीमैप बेंगलुरु के भूतपूर्व वैज्ञानिक व मानद वैज्ञानिक डॉक्टर आर आर राव द्वारा 'हमारी विविधता हमारी विरासत' पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ राव ने अपने व्याख्यान में सिनकोना प्लांट से मलेरिया की दवा व रबर प्लांट के खोज की चर्चा विस्तार से की और बतलाया की एक पौधा पूरे मानव सभ्यता को बदल सकता है। उन्होंने बतलाया कि इस तरह की खोज के लिए पारंपरिक ज्ञान का होना बहुत जरूरी है। अपने व्याख्यान में विस्तृत चर्चा करते हुए बायोडायवर्सिटी आफ इंडिया, बायोडायवर्सिटी आप फैमिली, बायोडायवर्सिटी आफ जीनस, बायोडायवर्सिटी ऑफिस स्पीशीज, हॉटस्पॉट ऑफ इंडिया, इंपॉर्टेंस ऑफ बायोडायवर्सिटी, मेगा बायोडायवर्सिटी आदि पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के द्वितीय चरण में डॉक्टर यूसी श्रीवास्तव एफ. एन.ए.सी. इलाहाबाद ने जलवायु परिवर्तन के कारण पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के तीसरे चरण में प्रोफेसर शशि पांडे राय बी.एफ. एस, वनस्पति विज्ञान विभाग, बीएचयू ने पर्यावरण की स्थिति की संभावनाएं औषधीय पौधों में माध्यमिक उपापचय और इसके पारिस्थितिक परिणाम पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रोफेसर डी के चौहान, प्रोफेसर गिरिजेश कुमार वनस्पति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव आदि भी उपस्थित रहे।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में स्टेट लेवल ताइक्वांडो प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। राज ताइक्वांडो अकादमी ने क्राइस्ट चर्च कॉलेज के प्रांगण में इंटर स्कूल स्टेट लेवल ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया। राजू भारती और जोसेफ जॉर्ज द्वारा संपन्न कराया गया। जिसमे उत्तर प्रदेश के कई जिलों के स्कूलों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में क्राइस्ट चर्च कॉलेज में कोच विमल कुमार, राखी नगर, मान्या और अखिल से प्रैक्टिस प्राप्त करने वाले छात्रों ने 18 मेडल जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। फतेहगढ़ दूसरे स्थान और तीसरे स्थान पर जिला बाराबंकी क्राइस्ट चर्च कॉलेज के 8 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस पदक है।

'उत्तर भारत का पहला विज्ञान अकादमी द्वारा संचालित दो दिवसीय कार्यशाला सीएमपी महाविद्यालय में संपन्न'

प्रयागराज ससी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग मे विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दूसरे दिन का शुभारंभ प्रोफेसर आर आर राव मानद वैज्ञानिक बेंगलुरु के व्याख्यान से प्रस्तुत हुआ। डॉ राव का व्याख्यान संकटग्रस्त पादपीय आवासो और संकटग्रस्त पौधों का संरक्षणरू भारत की चिंताएँ और प्रतिक्रियाएँ पर था। अपने इस व्याख्यान में डॉ राव ने बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाला प्रत्येक पौधा एक विशेष गुण रखता है यदि इन पौधों को बचाया नही गया तो यह हमारे देश के लिए आने वाले समय मे चिंता का विषय होगा। डॉ राव ने बतलाया की जैव विविधता के छरण का मुख्य कारण देश मे बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण, सड़को का बनना, तमाम मानव जनित क्रियाएं जैसे औषधि पौधो, सजावटी पौधों आदि का अधिक उपयोग होना मुख्य कारण है इसके अलावा बाहरी खरपतवार का आना, जंगल में आग का लगना, स्थानांतरण खेती, खनन क्रियाएं आदि भी जैवविविधता को कम करते है। जैव विविधता के क्षरण को रोकने के लिए आई यू सी एन एक रेड लिस्ट जारी किया है जिससे पता चलता है कि पूरे विश्व मे और अपने देश मे भी कौन–कौन सी प्रजातियां विलुप्त हो रही है। हमारा देश इसके प्रतिक्रिया मे पादप संरक्षण के लिए बायोडायवर्सिटी बिल नेशनल पार्क, वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, टाइगर रिजर्व, रामसर साइट जैसे जगहो पर पौधो का संरक्षण किया जा रहा है। प्रथम सत्र का दूसरा व्याख्यान डॉक्टर यू सी लवानिया भूतपूर्व वैज्ञानिक सी मैप लखनऊ द्वारा गुणसूत्र विविधता और जिनोमिक क्षेत्र पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया की गुणसूत्र और उनके ऑर्गनाइजेशन पर काम करना बहुत ही कठिन है पौधो और जंतुओ के गुणसूत्रों पर प्रकाश डालते हुए बताया की पौधो के गुणसूत्र के काम करना जंतुओ के गुणसूत्र की तुलना मे कठिन होता है क्योंकि पौधों की कोशिकाएं कोशिका भित्ति से घिरी होती है अपने व्याख्यान में रिपिटेटिव डीएनए, पैकिंग ऑफ डीएनए, क्रोमेटिक कंडेंसेशन, ओरियंटेशन एंड ऑर्गनाइजेशन आफ क्रोमोजोम, सोमेटिक वेरिएशन, पॉलिप्लॉयडी आदि पर चर्चा की। प्रथम सत्र का तीसरा व्याख्यान भूतपूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग प्रोफेसर डी के चौहान ने जैव विविधता संकट पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बतलाया पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी प्रकार के जीव जंतु बैक्टीरिया आदि की विविधताएं बहुत आवश्यक है क्योंकि यह एक दूसरे से संबंधित होते हैं प्रोफेसर चौहान ने जेनेटिक डायवर्सिटी, स्पीशीज डायवर्सिटी, इकोलॉजिकल डायवर्सिटी आदि को बताते हुए जैवविविधता या बायोडायवर्सिटी की उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला और कहा कि पृथ्वी पर पाए जाने जाने वाला हर एक पौधा औषधि गुण रखता है और हम सबको इसका संरक्षण करना चाहिए अपने व्याख्यान में बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट, इंडियन मेगा डायवर्सिटी, बायोडायवर्सिटी लॉस, बायोडायवर्सिटी क्राइसिस आदि पर प्रकाश डाला। सत्र का तीसरा व्याख्यान प्रोफेसर मधुलिका अग्रवाल वनस्पति विज्ञान विभाग बीएचयू ने जलवायु परिवर्तन और उसके परिणाम पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बतलाया की जलवायु परिवर्तन के कारण दिन का लंबा होना उसके तापमान में वृद्धि होना, रात के तापमान में वृद्धि होना, मौसम मे बदलाव आदि जलवायु परिवर्तन के मुख्य प्रभाव है परिवर्तन का एक बड़ा मुख्य कारण ग्रीन हाउस इफेक्ट भी है देश मे बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, फैक्ट्रियों का निर्माण, जंगलो का काटा जाना आदि के वजह से ग्रीनहाउस गैसेस का उत्सर्जन लगातार होता जा रहा है जिस के दुष्प्रभाव से पृथ्वी के तापमान मे वृद्धि, सागर के तापमान मे वृद्धि, साइक्लोन का आना, बाढ़, भू चरण, सूखा और इसके कई दुष्प्रभाव कृषि, वाइल्ड लाइफ आदि पर पढ़ रहा है इसकी रोकथाम के लिए पूरे विश्व मे इस तरह के गैसो के निकास पर रोक लगाना होगा। सत्र का आखिरी व्याख्यान मानद सदस्य आईएएस प्रोफेसर संजय कुमार सामंत्री प्रेजेडसिडेंट इंडियन क्लाइमेट चेंज कांग्रेस द्वारा दिया गया और अपना व्याख्यान जल संकट और जल प्रबंधन पर दिया और उन्होंने बतलाया कि किन–किन तरीकों से जल संरक्षण किया जा सकता है सत्र के दूसरे सत्यापन सत्र मे डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव 2 दिन की कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय देते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस सत्र में प्रोफेसर लवानिया ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला उत्तर भारत मे संचालित नही किया गया है और इस तरह की आयोजन से छात्रों को इसका पूरा लाभ मिलता है। डॉक्टर राव ने भी इस सत्र मे सबको बधाई दी और बताया कि इस के कार्यशाला को भविष्य मे और बेहतर बनाने हेतु आप अपनी सुझाव हमें दे सकते हैं। सत्र के दौरान छात्रों ने भी अपना फीडबैक दिया और बतलाया कि हम सब ने इस वर्कशॉप से काफी कुछ सीखा। प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने अपने उद्बोधन में बताया की क्लाइमेट चेंज में हम सब की भूमिका है और हमको इस तरह की भूमिका निभाना चाहिए जिससे कि सतत विकास हो सके। प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सबको धन्यवाद देते हुए बतलाया की ग्लोबल वार्मिंग मुख्य कारण है क्लाइमेट चेंज का जिसे हमे रोकना चाहिए। सत्र के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। आज के पूरे सत्र का संचालन विपुल मिश्रा ने सुचारू ढंग से संचालित किया इस अवसर पर प्रोफेसर गिरिजेश कुमार, डॉक्टर प्रतीक श्रीवास्तव वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहबाद विश्वविद्यालय डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

सीएमपी पीजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार के समापन पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अमर उजाला

छात्रों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ भवन पर छात्रसंघ संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से फीस वृद्धि के बृहस्पतिवार को 73 वें दिन भी आमरण अनशन जारी रहा।

छात्र नेता अजय यादव सम्राट की अगुवाई में छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर कुलपति के इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर छात्र नेता आलोक तिवारी, हरेंद्र यादव, राहुल पटेल, अनुराग यादव आदि उपस्थित रहे। संवाद

पृथ्वी पर पाए जाने वाले हर पौधे में एक विशेष गुण, संरक्षण बेहद जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

सीएमपी के वनस्पति विज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी की ओर से आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रोफेसर आरआर राव मानद वैज्ञानिक बंगलूरू के व्याख्यान से हुई। डॉ. राव ने बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाला प्रत्येक पौधा एक विशेष गुण रखता है। यदि इन पौधों को बचाया नहीं गया तो यह हमारे देश के लिए आने वाले समय में चिंता का विषय होगा। जैव विविधता के क्षरण का मुख्य कारण देश में बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण, सड़कों का बनना, तमाम मानव जनित क्रियाएं हैं।

डॉ. यूसी लवानिया (भूतपूर्व वैज्ञानिक सीमैप लखनऊ) ने बताया कि गुणसूत्र और उनके ऑर्गेनाइजेशन पर काम करना बहुत ही कठिन है।

प्रो. डीके चौहान ने बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी प्रकार के जीव जंतु, बैक्टीरिया की विविधताएं बहुत आवश्यक हैं। प्रो. मधुलिका अग्रवाल ने कहा कि का लंबा होना, तापमान में वृद्धि, मौसम में बदलाव आदि जलवायु परिवर्तन के मुख्य प्रभाव हैं।

प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज में हम सब की भूमिका है। प्रो. शेखर श्रीवास्तव ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण क्लाइमेट चेंज है, इसे रोकना चाहिए।

अंत में डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन विपुल मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. गिरिजेश कुमार, डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव, डॉ. मंजू श्रीवास्तव, डॉ. मीना राय, डॉ. विजय प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्टेनोग्राफर ग्रेड सी, डी परीक्षा में 37.95

विज्ञान केवल बुद्धि आश्रित नहीं

क्षेत्रीय कार्यालय नहीं कर पाएंगे

पूजन का प्रसाद बांटा गया। इस धाम

एक पौधा बदल सकता है पूरी मानव सभ्यता

सीएमपी में विज्ञान अकादमी की ओर से दो दिनी कार्यशाला

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी की ओर से बुधवार को दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला का विषय 'जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण और जैव विविधता पर प्रभाव' है। डॉ. आरआर राव, प्रो. आरएस वर्मा व प्राचार्य प्रो.अजय प्रकाश खरे ने औपचारिक उद्घाटन किया।

डॉ. आरआर राव ने अपने व्याख्यान में सिनकोना प्लांट से मलेरिया की दवा व रबर प्लांट के खोज की चर्चा विस्तार से की। कहा कि एक पौधा पूरी मानव सभ्यता को बदल सकता है।

प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि देश की तीन विज्ञान अकादमियों द्वारा यह कार्यशाला कॉलेज में आयोजित की जा रही है। संवाद

न्यायालय उप जिलाधिकारी बारा, प्रयागराज

संख्या– 160/रीडर–बारा, दिनांक 11 नवम्बर, 2022

मेरे न्यायालय में विचाराधीन वाद संख्या टी–201902030703512 कृष्णमूर्ति बनाम रमेश कुमार आदि मौजा पाण्डर परगना व तहसील बारा